सत्यमेव जयते

प्रेस विज्ञप्ति / PRESS RELEASE

भारतीय राजदूतावास, पारामारिबो, सूरीनाम

Embassy of India, Paramaribo, Suriname

पारामारिबो, १४ सितंबर, २०२६, Paramaribo, 14 September 2026

हिंदी दिवस समारोह

१४ सितम्बर २०२६ को भारतीय राजदूतावास के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र, पारामारिबो में "हिंदी दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर सुरिनाम हिंदी परिषद के अध्यक्ष, हिंदी प्रेमियों, स्थानीय नागरिकों तथा भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में हिंदी कविता पाठ प्रस्तुत किए गए, जिनमें से कई कविताएँ प्रतिभागियों द्वारा स्वयं रचित थीं। साथ ही एक हिंदी प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया गया।

अपने संबोधन में राजदूत श्री सुभाष प्रसाद गुप्ता ने सुरिनाम में हिंदी परंपरा की निरंतरता पर बल दिया और हिंदी परिषद की सराहना की, जिसने हिंदी भाषा को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु अपने प्रयासों को और अधिक तीव्र करने के लिए प्रेरित किया तथा भारत-सूरीनाम के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करने में हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राजदूतावास द्वारा पूर्व में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था, जिनमें "हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता", "राजभाषा हिंदी में कार्यालयीन कार्य प्रतियोगिता", "हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता" तथा "काव्य पाठ प्रतियोगिता" शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं में भारतीय मूल के नागरिकों, विद्यार्थियों, हिंदी प्रेमियों तथा स्थानीय सूरीनामी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह सहभागिता भारत-सूरीनाम के बीच प्रगाढ़ सांस्कृतिक संबंधों के साथ-साथ हिंदी भाषा की जीवंतता और सूरीनाम में इसके प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाती है।

उल्लेखनीय है कि १४ सितम्बर १९४९ को भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में प्रतिवर्ष १४ सितम्बर को हिंदी दिवस मनाया जाता है, ताकि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा इसके प्रति जनमानस में गौरव की भावना को सुदृढ़ किया जा सके।

समारोह के समापन पर राजदूत महोदय ने हिंदी पखवाड़ा के प्रतिभागियों, प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा हिंदी दिवस समारोह में भाग लेने वाले सुरिनामी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

भारतीय राजदूतावास ने सूरीनाम में रहने वाले भारतीय समुदाय, स्थानीय नागरिकों तथा हिंदी में रुचि रखने वाले सभी लोगों से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

(कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें संलग्न हैं।)

On September 14, 2026, "Hindi Diwas" (Hindi Day) was celebrated at the Swami Vivekananda Cultural Centre in Paramaribo under the aegis of the Indian Embassy. The event was attended by the President of the Suriname Hindi Parishad (Hindi Council), Hindi language enthusiasts, local citizens, and representatives of the Indian community.

The program featured Hindi poetry recitations, many of which were original compositions by the participants themselves, along with a Hindi quiz session.

In his address, Ambassador Subhash Prasad Gupta emphasized the continuity of the Hindi tradition in Suriname and praised the Hindi Parishad for its important role in keeping the Hindi language alive. He encouraged participants to intensify their efforts toward promoting Hindi and highlighted the language's role in strengthening the historic cultural ties between India and Suriname.

In connection with Hindi Diwas, the Embassy had earlier organized various competitions under "Hindi Pakhwada" (Hindi Fortnight), including a "Hindi Knowledge Competition," an "Official Work in Hindi (Rajbhasha) Competition," a "Hindi Essay Writing Competition," and a "Poetry Recitation Competition." These competitions saw enthusiastic participation from people of Indian origin, students, Hindi enthusiasts, and local Surinamese citizens. Participation that reflects both the deepening cultural ties between India and Suriname and the vibrancy of, and growing interest in, the Hindi language in Suriname.

It's worth noting that on 14 September 1949, India's Constituent Assembly adopted Hindi, written in the Devanagari script, as the official language of the Union of India. In memory of this historic decision, Hindi Diwas is celebrated every year on 14 September to promote the spread of the Hindi language and strengthen a sense of pride in it among the public.

At the conclusion of the ceremony, the Ambassador honored the participants of Hindi Pakhwada, the winners of the competitions, and the Surinamese participants in the Hindi Diwas celebration with certificates and cash prizes.

The Indian Embassy called on the Indian community living in Suriname, local citizens, and everyone interested in Hindi to actively contribute to the promotion of the Hindi language.

(A few photographs from the event are attached.)

*****

adidas

हिन्दी दिवस

हिन्दी दिवस

SVCC
EMBASSY OF INDIA
SVCC
हिन्दी दिवस

adidas

भारत का राजदूतावास
स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र
हिन्दी दिवस
SVCC
EMBASSY OF INDIA

भारत का राजदूतावास
स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र
हिन्दी दिवस
SVCC
EMBASSY OF INDIA

भारत का राजदूतावास
स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र
हिन्दी दिवस
SVCC
EMBASSY OF INDIA

SVCC
EMBASSY OF INDIA

भारत का राजदूतावास
स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र
हिन्दी दिवस
SVCC

भारत का राजदूतावास
स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र
हिन्दी दिवस
SVCC

भारत का राजदूतावास
स्वामी विवेकानन्द सांस्कृतिक केंद्र
हिन्दी दिवस
SVCC
EMBASSY OF INDIA

SVCC
EMBASSY OF INDIA